जगतविनोद।

कवि पद्माकर रचित ।

मनमोहनतन, घन सघन रमनि राधिका मोर
श्रीराधामुखचन्द को गोकुलचन्द चकोर ॥

जिसको डुमराँवनिवासी नकछेदी
तिवारी ने अति परिश्रम से
शोध कर मुद्रित कराया।

यह पुस्तक बाबू रामकृष्ण वर्मा सम्पादक
भारतजीवन बनारस के पास मिलैगी।

॥ काशी ॥

भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुआ।

सन् १९०२ ई०।

दूसरी बार १०००

मूल्य ॥/